Shri Ram Mantra Evam Ram Raksha Stotram

श्रीराम मंत्र एवं रामरक्षा स्तोत्रम्

Shri Raj Verma ji

Contact- +91-9897507933**,** +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

श्रीराममंत्र– विनियोगः– ॐ अस्य श्रीराममंत्रस्य ब्रह्मा ऋषिः, गायत्री छन्दः, श्रीरामो देवता, रां बीजं, नमः शक्तिः, चतुर्विधपुरुषार्थसिद्धये जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यास– ब्रह्मणे ऋषये नमः शिरसि, गायत्री छन्दसे नमः मुखे, श्रीरामदेवतायै नमः हृदि, रां बीजाय नमः गुह्ये, नमः शक्तये नमः पादयोः, विनियोगाय नमः सर्वांगे।

करन्यास व हृदयादिन्यास– रां – अंगुष्ठाभ्यां नमः – हृदयाय नमः। रीं – तर्जनीभ्यां नमः – शिरसे स्वाहा। रूं – मध्यमाभ्यां नमः – शिखायै वषट्। रैं – अनामिकाभ्यां नमः – कवचाय हुम्। रौं –

कनिष्ठिकाभ्यां नमः - नेत्रत्रयाय वौषट्। रः - करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः - अस्त्राय फट्।

ध्यानमंत्र- कालाम्भोधरकान्तिकान्तमनिशं वीरासनाध्यासिनं मुद्रां ज्ञानमयीं दधानमपरं हस्ताम्बुजं जानुनि। सीतां पार्श्वगतां सरोरुहकरां विद्युन्निभां राघवं पश्यन्तीं मुकुटांगदादिविविधाकल्पोज्वलांग भजे।।

षड्क्षर मंत्र- 'रां रामाय नमः।'

संक्षिप्त विधि- स्थिर चित्त से मन्त्री मंत्र जप आरम्भ करे। पुरश्चरण हेतु 6 लाख जप का विधान है। तत्पश्चात् कामनानुसार होमादि विधान सम्पन्न करें। राजा तुल्य व्यक्ति को वश में करने के लिये चन्दन के जल से सिक्त चमेली के फूलों से, धन वैभव के लिये कमलों से, जगत् वशीकरण के लिये नीले कमलों से, आरोग्यता व दीर्घायु के लिये दुर्वा से विधिपूर्वक होम करना या करवाना चाहिये। लाल कमल के होम से साधक अतुल सम्पत्ति का अधिकारी होता है। मेधावी होने के लिये पलाश के नये फूल से होम करना चाहिये। मंत्र के द्वारा अभिमंत्रित जल पीने से जापक एक वर्ष में कवित्व प्राप्त करता है एवं उससे अभिमंत्रित

भोजन करने से महान् आरोग्यता प्राप्त करता है। सर्वप्रथम आरम्भिक पूजन करें।

श्रीरामरक्षास्तोत्रम्- नारायण के सौम्य अवतार भगवान् राम का यह दिव्य स्तोत्र दीर्घकालीन रोगी के लिये अमृत औषधि है। सामान्य रोग 11 या 21 पाठ से समाप्त हो जाते हैं। असाध्य रोग या घोर विपत्ति में आवश्यकतानुसार अधिक संख्या में पाठ करें या करवायें। विपरित परिस्थिति में इसका उचित प्रयोग साधक को अभय प्रदान करता है। शत्रुभय, प्रेतसंकट एवं आर्थिक हानि में में भी यह प्रयोग प्रभावी है। नवरात्र काल, रामनवमी या अन्य शुभतिथि से पाठ आरम्भ कर सकते हैं। स्तोत्र के द्वारा अभिमंत्रित जल पीने से साधक के शरीर में नूतन ऊर्जा, तेज, बल व बुद्धि का तीव्र विकास होता है।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

विनियोगः- ॐ अस्य श्रीरामरक्षास्तोत्र मंत्रस्य बुधकौशिक ऋषिः, अनुष्टप् छन्दः, श्रीसीतारामचन्द्रो देवता, सीता शक्तिः, श्रीमद्हनुमान कीलकं, श्रीरामचन्द्रप्रीत्यर्थे श्रीरामरक्षास्तोत्र मंत्र जपे विनियोगः।

ऋष्यादिन्यास- बुधकौशिक ऋषये नमः शिरसि। अनुष्टप् छन्दसे नमः मुखे। श्रीसीतारामचन्द्र देवतायै नमः हृदि। सीता शक्तये नमः नाभौ। श्रीमद्हनुमान कीलकाय नमः पादयोः। श्रीरामचन्द्रप्रीत्यर्थे श्रीरामरक्षास्तोत्र मंत्रजपे विनियोगाय नमः सर्वांगे।

ध्यानम्- ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थम्, पीतं वासोवसानं नवकमलदल स्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्। वामांकारुढ सीतामुखकमल मिलल्लोचनं नीरदाभम्, नानालंकारदीप्तं दधतमुरु जटामण्डनं रामचन्द्रम्।।

स्तोत्रम्- चरितं रघुनाथस्य शतकोटि प्रविस्तरम्। एकैकमक्षरं पुंसां महापातकनाशनम्।।

ध्यात्वा नीलोत्पल श्यामं रामं राजीव लोचनम्। जानकी लक्ष्मणोपेतं जटामुकुट मण्डितम्।।

सासितूण धनुर्बाणपाणिं नक्तं चरान्तकम्। स्वलीलया जगत् त्रातुमाविर्भूतमजं विभुम्।।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

रामरक्षां पठेत् प्राज्ञः पापघ्नीं सर्वकामदाम्। शिरो मे राघवः पातु भालं दशरथात्मजः।।

कौसल्येयो दृशौ पातु विश्वामित्रप्रियः श्रुती। घ्राणं पातु मखतात्रा मुखं सौमित्रिवत्सलः।।

जिह्वां विद्यानिधिः पातु कण्ठं भरतवन्दितः। स्कन्धौ दिव्यायुधः पातु भुजौ भग्नेश कार्मुकः।।

करौ सीतापतिः पातु हृदयं जामदग्न्यजित्। मध्यं पातु खरध्वंसी नाभिं जाम्बवदाश्रयः।।

सुग्रीवेशः कटि पातु सक्थिनि हनुमत्प्रभुः। ऊरु रघुत्तमः पातु रक्षःकुलविनाशकृत।।

जानुनी सेतुकृत पातु जंघे दशमुखान्तकः। पादौ विभिषणश्रीदः पातु रामोऽखिलं वपुः।।

एतां रामबलोपेतां रक्षां यः सुकृती पठेत्। सः चिरायुः सुखी पुत्री विजयी विनयी भवेत्।।

पाताल भूतल व्योम चारिणश्छद्म चारिणः। न द्रुष्टमपि शक्तासे रक्षितं राम नामभिः।।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

रामेति रामभद्रेति रामचन्द्रेति वा स्मरन्। नरो न लिप्यते पापैर्भुक्तिं मुक्तिं च विन्दति।।

जगज्जैत्रैक मन्त्रेण राम नाम्नाऽभिरक्षितम्। यः कण्ठे धारयेत् तस्य करस्थाः सर्वसिद्धयः।।

वज्रपंजर नामेदं यो रामकवचं स्मरेत्। अव्याहताज्ञः सर्वत्र लभते जयमंगलम्।।

आदिष्टवान् यथा स्वप्ने रामरक्षामिमां हरः। तथा लिखितवान् प्रातः प्रबुद्धो बुधकौशिकः।।

आरामः कल्पवृक्षाणां विरामः सकलापदाम्। अभिरामस्त्रिलोकानां रामः श्रीमान् स नः प्रभुः।।

तरुणौ रूपसम्पन्नौ सुकुमारौ महाबलौ। पुण्डरीक विशालाक्षौ चीर कृष्णाजिनाम्बरौ।।

फलमूलाशिनौ दान्तौ तापसौ ब्रह्मचारिणौ। पुत्रौ दशरथस्यैतौ भ्रातरौ रामलक्ष्मणौ।।

शरण्यौ सर्वसत्त्वानां श्रेष्ठौ सर्वधनुष्मताम्। रक्षःकुलनिहन्तारौ त्रायेतां नो रघूत्तमौ।।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

आत्तसंज धनुषाविशु स्पृशावक्षयाशुग निषंगसंगिनौ। रक्षणाय मम रामलक्ष्मणावग्रतः पथि सदैव गच्छताम्।।

सन्नद्धः कवची खड्गी चापबाणधरो युवा। गच्छन् मनोरथोऽस्माकं रामः पातु सलक्ष्मणः।।

रामो दाशरथिः शूरो लक्ष्मणानुचरो बली। काकुत्स्थः पुरुषः पूर्णा कौसल्येयो रघूत्तमः।।

वेदान्तवेद्यो यज्ञेशः पुराण पुरुषोत्तमः। जानकी वल्लभः श्रीमानप्रमेय पराक्रमः।।

इत्येतानि जपन्नित्यं मद्भक्तः श्रद्धायाऽन्वितः। अश्वमेधाधिकं पुण्यं सम्प्रान्योति न संशयः।।

रामं दूर्वादल श्यामं पद्माक्षं पीतवाससम्। स्तुवन्ति नामभिर्दिव्यैर्न ते संसारिणो नरः।।

रामं लक्ष्मणपूर्वजं रघुवरं सीतापतिं सुन्दरम्। काकुस्थं करुणार्णवं गुणनिधिं विप्रप्रियं धार्मिकम्।

राजेन्द्रं सत्य सन्धं दशरथतनयं श्यामलं शान्त मूर्तम्। वन्दे लोकाभिरामं रघुकुलतिलकं राघवं रावणारिम्।।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः।।

श्रीराम राम रघुनन्दन राम राम। श्रीराम राम भरताग्रज राम राम। श्रीराम राम रण कर्कश राम राम। श्रीराम राम शरणं भव राम राम ।।

श्रीरामचन्द्र चरणौ मनसा स्मरामि। श्रीरामचन्द्र चरणौ वचसा गृणामि। श्रीरामचन्द्र चरणौ शिरसा नमामि। श्रीरामचन्द्र चरणौ शरणं प्रपद्ये।।

माता रामो मत्पिता रामचनद्रः, स्वामी रामो मत्सखा रामचन्द्रः। सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालुर्नान्यं जाने नैव जाने न जाने।।

दक्षिणे लक्ष्मणो यस्य वामे तु जनकात्मजा। पुरतो मारुतिर्यस्य तं वन्दे रघुनन्दम्।।

लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्। कारुण्यरूपं कररुणाकरं ते श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये।।

मनोजवं मारुततुल्य वेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानर यूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये।।

कूजन्तं रामरामेति मधुरं मधुराक्षरम्। आरुह्य कविताशाखां वन्दे वाल्मीकि कोकिलम्।।

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

आपदामपहर्तारं दातारं सर्वसम्पदाम्। लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम्।।

भर्जनं भव बीजानामर्जनं सुखसम्पदाम्। तर्जनं यमदूतानां रामरामेति गर्जनम्।।

रामो राजमणिः सदा विजयते रामं रमेशं भजे। रामेणाभिहता निशाचर चमू रामाय तस्मै नमः।।

रामान्नास्ति परायणं पर तरं रामस्य दासोऽस्म्यहम्। रामे चित्तलयः सदा भवतु मे भो राम! मामुद्धर।।

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने!।।38।।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

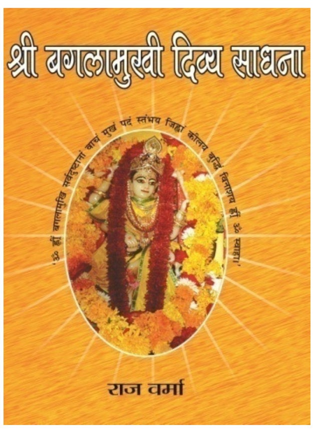

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com